शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

नैक बैंगलोर द्वारा मूल्यांकित "A+" ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कॉलेज समाचार

दिसम्बर-2022

यह महाविद्यालय डीम्ड विश्वविद्यालय की क्षमता रखता है: डॉ. चट्टोपाध्याय

(महाविद्यालय में नैक पीयर टीम का भ्रमण)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 28 एवं 29 सितंबर 2022 को नैक मूल्यांकन टीम द्वारा भ्रमण किया गया। नैक मूल्यांकन के चौथे चरण में मूल्यांकन हेतु टीम के चेयरमैन डॉक्टर ध्रुबज्योति चट्टोपाध्याय कुलपति, सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी कोलकाता के साथ डॉ. हरभजन बंसल, प्रो. गुरु जोमलेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हरियाणा एवं डॉ. डेनियल फर्नांडिस प्रो. सेंट जोसेफ कॉलेज कर्नाटक ने महाविद्यालय के सभी विभागों,ऑटोमेटेड लाइब्रेरी, लैंग्वेज लैब, स्पोर्टस कांप्लेक्स, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, काउंसलिंग सेल, गर्ल्स हॉस्टल, ऑटोनॉमस सेल एवं बायो रिसर्च काम्प्लेक्स का बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को पर्याप्त बताया एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण की प्रशंसा की । पीयर टीम ने यहाँ की अधोसंरचना को पर्याप्त बताते हुए महाविद्यालय को अच्छे अंक मिलने की आशा जताई।

निरीक्षण टीम के सदस्यों ने रिसर्च, पर्यावरण, शिकायत निवारण समिति, एन्टी रैंगिग समिति, अनुशासन समिति, महिला प्रकोष्ठ, समान अवसर केन्द्र, ऑडिट समिति की बैठक ली एवं उनके कार्यों का बारीकी से मूल्यांकन किया। टीम ने इतिहास विभाग में आयोजित 'टेरा कोटा कला' के प्रशिक्षण को देखा एवं छात्रों हेतु स्वरोजगार के अवसर निर्माण करने पर विभाग को साधुवाद दिया।

मूल्यांकन समिति के सदस्यों ने आइक्यूएसी के सभी कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया तथा आइक्यूएसी टीम की सक्रियता एवं कर्तव्य निष्ठा की सराहना की। आइक्यूएसी के द्वारा महाविद्यालय के हित में किए गए उपक्रमों की प्रशंसा की। अंत में महाविद्यालय के स्टाफ को संबोधित करते हुए मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष डॉ चट्टोपाध्याय ने कहा कि महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों एवं शिक्षा के स्तर को देखते हुए यह महाविद्यालय डीम्ड विश्वविद्यालय की क्षमता रखता है। महाविद्यालय तृतीय चरण में ए प्लस ग्रेड के साथ छत्तीसगढ़ का शीर्ष महाविद्यालय था। टीम ने चतुर्थ चरण में महाविद्यालय के लिए ए ++ ग्रेड प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने महाविद्यालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों के आपसी सामंजस्य एवं व्यक्तिगत सहयोग की भावना की भूरी -भूरी प्रशंसा की।

सम्पादक : प्रो. थानसिंह वर्मा, डॉ. जयप्रकाश साव

कथा देखने एवं सुनने से पैदा होती है - शिवमूर्ति

महाविद्यालय में हिंदी विभाग के तत्वावधान में दिनांक 11 अक्टूबर 2022 को पूर्वान्ह 11 बजे विवेकानंद सभागार में देश के सुप्रसिद्ध कथाकार श्री शिवमूर्ति (लखनऊ) का कहानी पाठ तथा संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत के साथ हुआ। विभाग की ओर से स्वागत भाषण वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बलजीत कौर ने दिया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न विद्वानों को आमंत्रित कर उनका व्याख्यान, रचना पाठ तथा संवाद का कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य होता है कि विद्यार्थियों में साहित्य की समझ पैदा हो सके, उनमें रचनाशीलता तथा रचनादृष्टि का विकास हो सके।

इस आयोजन में उपस्थित अंचल के कथाकार श्री कैलाश बनवासी ने शिवमूर्ति जी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि शिवमूर्ति जी का यहाँ आना अवध के आकाश का छत्तीसगढ़ में छा जाना है। वे यहाँ अवध की धरती, वहाँ की मिट्टी के साथ आए हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में स्त्रियों की दशा, टूटते बिखरते गांव, किसानों, मजदूरों, दलितों की विवशता तथा जिजीविषा के संघर्ष को चित्रित किया है।

महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं आलोचक डॉ. जयप्रकाश ने कहा - अवध के साथ हमारी बोली बानी की समानता है इसलिए अवध की संस्कृति के प्रति लगाव है। शिवमूर्ति जी ने ग्रामीण जीवन का यथार्थ खासकर आजादी के बाद के गांव का यथार्थ बहुत प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत किया है। शिव मूर्ति ने जिस तरह से अवध अंचल के यथार्थ को चित्रित किया है उसी तरह छत्तीसगढ़ के लोक जीवन के दुख दर्द को चित्रित करने के लिए छत्तीसगढ़ को शिवमूर्ति जैसे रचनाकार का इंतजार है। कथाकार श्री शिवमूर्ति जी ने 'सिरी उपमा जोग' शीर्षक कहानी का पाठ किया। कहानी के पाठ से कथावस्तु खुलता गया। उसमें स्त्रियों की दशा, आर्थिक आत्मनिर्भरता के अभाव में पर निर्भरता, परिवार और समाज का भय जैसी बहुत-सी बातें उभर कर आयीं जिसे श्रोताओं ने पूरे मनोयोग से सुना। कहानी पाठ के बाद शिवमूर्ति जी ने कहा कि जब तक स्त्रियाँ शिक्षित, आत्मनिर्भर तथा न्याय के लिए संगठित नहीं होंगी, उनकी दशा नहीं सुधर सकती।

विद्यार्थियों ने कहानी के प्रति अपनी जिज्ञासा के बहुत से सवाल शिवमूर्ति जी से पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से उत्तर देते हुए कहा कि रचना देखने, सुनने से बनती है। हम समाज के हर वर्ग के लोगों की बातें कान लगाकर सुने तथा स्थितियों को खुली आँखों से देखें, यही रचना प्रक्रिया है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा दुर्ग भिलाई के प्रतिष्ठित साहित्यकार लोकबाबू, कैलाश बनवासी, शरद कोकास, बुद्धिलाल पाल, घनश्याम त्रिपाठी, अजय साहू, अंजन कुमार तथा विभाग के प्राध्यापक डॉ कृष्णा चटर्जी, रजनीश उमरे, सरिता मिश्र ओमकुमारी देवांगन एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. ए.के. खान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनीश उमरे ने तथा आभार प्रदर्शन प्रो. थानसिंह वर्मा ने किया।

सभी स्वशासी महाविद्यालय प्रतियोगी दृष्टिकोण विकसित करें

- शारदा वर्मा

महाविद्यालय में प्रदेश के सभी स्वशासी महाविद्यालयों में नयी शिक्षा नीति के तहत स्नातक स्तर पर 4 वर्षीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने हेतु प्राचार्यों की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश के 8 स्वशासी महाविद्यालयों के प्राचार्य, परीक्षा नियंत्रक एवं आईक्यूएसी समन्वयक उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती शारदा वर्मा, आयुक्त, उच्चशिक्षा विभाग छ.ग. शासन ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के नवनिर्मित जिम एवं मीडिया सेन्टर का उद्घाटन आयुक्त, उच्चशिक्षा विभाग छ.ग. शासन द्वारा किया गया। औपचारिक स्वागत के पश्चात महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. ज्योति धाकर द्वारा नैक की उपलब्धियों पर संक्षिप्त जानकारी दी गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह नें सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी कोशिश होगी कि नयी शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम तैयार करते समय इस बात को ध्यान रखा जाये कि सभी के क्रेडिट में समरूपता हो।

डॉ. जी.ए. धनश्याम, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, राज्य स्तरीय गुणवत्ता प्रकोष्ठ ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के सदस्यों के कार्य निष्ठा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ के प्राध्यापकों की मेहनत एवं लगन के कारण ही महाविद्यालय निरंतर उन्नति कर रहा है।

आयुक्त महोदया ने महाविद्यालय में अपने पिछले निरीक्षण का पालन प्रतिवेदन सभी महाविद्यालयों से प्राप्त किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी महाविद्यालय बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। नयी शिक्षा नीति को लागू करने के संबंध में उन्होंने आग्रह किया कि सभी महाविद्यालय ये कोशिश करें कि यदि पाठ्यक्रम में विभिन्नता होती हो तो भी क्रेडिट एक जैसा रखें तथा सभी स्वशासी महाविद्यालय प्रतियोगी दृष्टिकोण विकसित करें ताकि राज्य के सभी स्वशासी महाविद्यालय उत्कृष्ट संस्थान के रूप में दर्ज किए जा सकें। इस संबंध में अगली बैठक विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित किए जाने की जानकारी दी। आयुक्त महोदया ने महाविद्यालयों को नयी शिक्षा नीति लागू करने में आने वाले वित्तीय व्ययों हेतु वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया कि वे भी अपने महाविद्यालय में वैल्यू ऐडेड कोर्सेस, डिप्लोमा कोर्सेस एवं नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करें। महाविद्यालय के प्राध्यापक पी.एच-डी. गाईड हेतु अपना रजिस्ट्रेशन करायें एवं प्रदेश में शोध के स्तर को ऊँचा उठाने में अपना सहयोग दें।

इसके पश्चात् स्वशासी महाविद्यालय के प्राचार्यों द्वारा अपने महाविद्यालय में नयी शिक्षा नीति लागू करने हेतु बनाये गये प्रारूप की जानकारी पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण द्वारा दी गयी। बैठक के पश्चात् सभी महाविद्यालय के प्राचार्यों द्वारा महाविद्यालय का भ्रमण किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र की सहायक प्राध्यापक डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने कोर्स आउटकम, प्रोग्राम आउटकम तथा लर्निंग अटेंनमेंट पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जगजीत कौर सलूजा द्वारा किया गया।

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के भौतिकशास्त्र एवं रसायनशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वक्ता प्रो. एस.बी. जोनालगड्डा, स्कूल ऑफ केमेस्ट्री एण्ड फिजिक्स यूनिवर्सिटी ऑफ क्वाजूलू , नटल, डरबन, साउथ अफ्रीका तथा प्रोफेसर के.वी.आर. चेरी रोवान यूनिवर्सिटी यू.एस.ए. विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अतिथियों के औपचारिक स्वागत के पश्चात् प्रोफेसर एस.बी. जोनाल गड्डा ने 'ग्रीन सिन्थेसिस बाय अल्ट्रानेटिव एनर्जी सोर्सेस' पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने वैकल्पिक उर्जा स्त्रोतों के द्वारा ग्रीन सिन्थेसिस को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही अल्ट्रोसोनिक तथा माइक्रोवेव ई-रेडिऐशन के प्रभाव एवं उसके प्रभावों से बचाव के लिए ग्रीन क्योर विधि की जानकारी दी।

इसके पश्चात् प्रोफेसर के.वी.आर. चेरी ने 'Interplay of Structure and Electronic Properties of oxide with and without Metal Bonds' विषय पर अपना रोचक व्याख्यान दिया। दोनों व्याख्यान भौतिकशास्त्र एवं रसायनशास्त्र के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोध विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह, भौतिकशास्त्र तथा रसायन शास्त्र विभाग के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुये।

हमारा हर कदम कल की दिशा और दशा निर्धारित करता है - डॉ.सिंह

महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने ध्वजारोहण किया इसके पश्चात अपने उद्बोधन में कहा कि आजादी के 75 वर्षों में भारत एक सबल एवं सुदृढ़ प्रजातांत्रिक देश बन चुका है। अनेक प्राकृतिक आपदाओं एवं वैश्विक महामारी के काल में भारत तुलनात्मक रूप से विश्व के अन्य देशों की तुलना में बेहतर साबित हुआ है। प्राचार्य महोदय ने अपने-संबोधन में कहा कि झंडे का केसरिया रंग आंतरिक शक्ति, साहस एवं त्याग, सफेद रंग ईमानदारी, पवित्रता एवं शांति तथा हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ राष्ट्रीय प्रतीक ही नही बल्कि राष्ट्र की एकता, शक्ति, विचार और उद्देश्य का प्रतीक है। हमारा आज का बढ़ाया हुआ हर कदम हमारी कल की दशा और दिशा निर्धारित करता है।

स्वाधीनता के 75 वें महापर्व 'आजादी का अमृत महोत्सव' में हमारे लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि हमारा हर निर्णय ऐसा हो जो अगले 25 साल में हमारे सपनों के भारत का निर्माण कर सके । सुई से सेटेलाइट और रूई से रॉकेट तक का सफर हमने अब तक पूर्ण किया है, किंतु ये उपलब्धियाँ हमारी आतंरिक उड़ान भर है। आजादी के अमृत काल के लिए हमारा एक ही संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित में समर्पित हो जायें एवं एक स्वर्ण राष्ट्र का निर्माण कर पुनः विश्व गुरु का स्थान प्राप्त कर सकें। इन सबके लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका शिक्षा की है। शिक्षा को उत्कृष्ट स्तर पर पहुँचाने में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण साबित होगी।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के द्वारा देश की रक्षा में शहीद हुए महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों-शहीद निरीक्षक, विनोद ध्रुव, ए.पी.सी., नारद निषाद, आरक्षक थानसिंह, महेन्द्रप्रताप सिंह यादव एवं शहीद सहायक प्लाटून कमांडर नारदराम निषाद को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। इसके पश्चात् महाविद्यालय के एन.सी.सी एवं एन.एस.एस. छात्र एवं छात्रा विंग के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही बड़ी संख्या में एन.सी.सी, एन.एस.एस. एवं यूथ रेडक्रास सोसायटी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

व्यंग्य परसाई के रचनाओं के भीतर से प्रवाहित होता है - डॉ. जयप्रकाश

परसाई जी 20वीं शताब्दी के महत्वपूर्ण लेखक थे। उन्होंने अपनी गहन अर्न्तदृष्टि से समाज की विसंगतियों तथा विद्रुपताओं को देखा तथा समाज को अपनी रचनाओं के आईने में दिखाया। उक्त विचार हिन्दी विभाग द्वारा परसाई जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में विभाग के प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश ने व्यक्त किये।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा नहीं है कि हिन्दी में परसाई जी अकेले व्यंग्यकार थे, परसाई जी से पूर्व कबीर, भारतेन्दु और बालमुकुन्द गुप्त भी सशक्त व्यंग्यकार रहें हैं। परसाई उन सबसे अलग इस अर्थ में हैं कि वे जीवन तथा समाज को वैज्ञानिक तथा तार्किक ढंग से देखते थे, इसीलिए व्यंग्य परसाई जी की रचनाओं में भीतर से प्रवाहित होता है।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने कहा कि पुराने जमाने में पढ़ा लिखा उसी को समझा जाता था जो भाषा और गणित जानता हो। साहित्य का संबंध भाषा से है। परसाई जी जैसे साहित्यकार को समझने के लिए भाषा की समझ और संवेदना की आवश्यकता है। प्रो. थानसिंह वर्मा ने कहा कि परसाई जी की रचनाओं में आजादी के बाद के भारत की तस्वीर देखी जा सकती है। परसाई जी ने राजनीति, धर्म, सम्प्रदाय,, प्रशासन तथा सामाजिक जीवन में व्याप्त विसंगतियों पर करारा व्यंग्य किया है।

विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने परसाई जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि व्यंग्य विसंगतियों से उपजता है। परसाई जी के व्यंग्य नश्तर की तरह चूभने वाले होते हैं, जिसको लक्ष्य किया जाता है वह तिलमिला उठता है। छात्रा सोनाली ने 'ईश्वर की सरकार' तथा मोनिका साहू 'समझौता' शीर्षक परसाई जी के व्यंग्य रचनाओं का पाठ किया।

कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर , डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं अतिथि व्याख्याता डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्र के अलावा विभिन्न कक्षाओं के साहित्य के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बलजीत कौर ने किया।

वनस्पतिशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने स्वनिर्मित उत्पादों का स्टॉल लगाया

महाविद्यालय के वनस्पतिशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के स्व सहायता समूह ने स्वनिर्मित उत्पादों का स्टॉल लगाया। इस स्टॉल में दीपावली के लिए सजावटी दिये, मोमबत्तियाँ, पेपर क्राफ्ट, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, मेडिसीनल पौधें, बीज, फेस पैक, हेयर ऑइल, होम मेड शैम्पू, बड़ी, दंत मंजन, बाती आदि विद्यार्थियों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने स्टॉल का उद्घाटन किया । प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक स्टॉल से कुछ न कुछ सामान खरीदकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया ।

कार्यक्रम संयोजक विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना श्रीवास्तव एवं डॉ. विजयलक्ष्मी नायडू ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के प्राध्यापक डॉ. गोवर्धन सिंह ठाकुर, डॉ. श्रीराम कुजांम एवं डॉ. मोतीराम का विशेष सहयोग रहा। इस दिन बेस्ट स्टॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ. राजेन्द्र चौबे, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. सोमाली गुप्ता निर्णायक के रूप में उपस्थित थे । प्रतियोगिता के विजेता समूहों को पुरस्कृत किया गया ।

संविधान दिवस पर व्याख्यान एवं
गाँधी जी पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन

महाविद्यालय राजनीतिविज्ञान विभाग, एनएसएस एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनुपमा अस्थाना, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं आइक्यूएसी प्रभारी डॉ जगजीत कौर सलूजा, डॉ. शकील हुसैन, डॉक्टर ए. के. पांडे एवं एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. सपना शर्मा ने महात्मा गांधी एवं भीमराव अंबेडकर के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित किया। इसके पश्चात अपने उद्बोधन में प्रभारी प्राचार्य अस्थाना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे देश को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें। जगजीत कौर सलूजा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे देश कि एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए एकजुट रहे। एनसीसी अधिकारी डॉ. सपना शर्मा ने संविधान की उद्देशिका को भारत के लोकतंत्र की जननी बताया।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ ए.के.पांडे ने संविधान निर्माण के बारे में इतिहास संबंधी जानकारी दी। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ शकील हुसैन ने संविधान की महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान में बताए गए अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरुक होने की बात कही।इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अनुपम अस्थाना ने सभी अधिकारी/ कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को बनाये रखने के लिए शपथ दिलायी। इसके पश्चात डॉ. शकील हुसैन के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी पर एक सुंदर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें उनकी शिक्षा सत्य और अहिंसा तथा स्वदेशी को अपनाने का आग्रह एवं देश की आजादी के लिए योगदान को बहुत अच्छे ढंग से दिखाया गया जिससे विद्यार्थी उन्हें समझ कर उनकी शिक्षा को ग्रहण कर सकें। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने वक्ताओं को ध्यान से सुना तथा फिल्म को देखा और गांधी जी के विचारों तथा कार्यक्रमों को समझने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का संचालन तथा आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री जनेंद्र दीवान किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्राध्यापक डॉक्टर विजय लक्ष्मी नायडू, श्री दिलीप कुमार साहू, डॉ. रश्मि गौर, डॉक्टर राजेश्वरी जोशी, एनसीसी अधिकारी प्रो प्रशांत दुबे के अलावा बड़ी संख्या में एनएसएस, एनसीसी एवं राजनीतिविज्ञान विभाग के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम के पूर्व महाविद्यालय में संविधान पर केंद्रित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चयनित तीन प्रतिभागियों ने सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय में संविधान दिवस पर आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

हिंदी साहित्य परिषद् का गठन

महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में अंचल के प्रसिद्ध कवि श्री शरद कोकास उपस्थिति थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने की। दीप प्रज्वलन एवं अतिथि के स्वागत के पश्चात् हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने हिंदी साहित्य परिषद के मनोनीत पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामों की घोषणा की।

मनोनीत पदाधिकारियों में अध्यक्ष - मोनिका साहू, उपाध्यक्ष -रंजना साहू, सचिव - गरिमा कहार, सहसचिव - ओमप्रकाश के साथ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अक्षय चौरसिया, पद्मनी कौशिक, प्रीति देवांगन, पूनम, त्रिलोचन साहू, मोहम्मद सारिक अहमद, कौशल, भूषण रावटे, दीपिका साहू, मीणा, खिलेश्वरी, दौलत निर्मलकर, सोनल ताम्रकार का चयन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए कवि शरद कोकास ने कम्प्यूटर और मोबाइल में हिन्दी के प्रयोग का इतिहास बताते हुए कहा कि मोबाइल पर अब नए तरह के ऐप्स और की-बोर्ड आ गए हैं जिनसे अब हिन्दी लिखना न केवल आसान हो गया है बल्कि हिन्दी मे पॉकास्टिंग, ब्लोगिंग आदि का उपयोग करते हुए विभिन्न ऐप्स के माध्यम से धन भी कमाया जा सकता है। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया अब केवल चैट करने के लिए ही उपयोग में नहीं लाया जाता बल्कि इसके माध्यम से संगठन के भी काम होते हैं। लेकिन गलत, फेक और सही खबरों में हमें अंतर करना जरूरी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन. सिंह ने कहा कि हिंदी को आज विद्यार्थी एक भाषा के रूप में ही जानते हैं जबकि हिंदी आज रोजगार की भी भाषा बन चुकी है। इस तथ्य से विद्यार्थियों को हमें अवगत कराना होगा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश, डॉ. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओमकुमारी देवांगन के साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बलजीत कौर ने किया तथा गया।

मटपरई शिल्पकला पर कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा विगत दिनों 15 दिवसीय छत्तीसगढ़ की विलुप्त आंचलिक कला मटपरई की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का समापन समारोह माननीय विधायक श्री अरूण वोरा जी के मुख्य आतिथ्य, महापौर श्री धीरज बाकरीवाल के विशेष आतिथ्य तथा प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में मृतप्राय मटपरई कला के शिल्पकार अभिषेक सपन एवं टेराकोटा एवं सेरेमिक आर्ट की प्रशिक्षक प्रज्ञा नेमा को सम्मानित किया गया। सत्र 2021-22 के सर्वश्रेष्ठ छात्रा रेणुका साहू एवं भारती देवांगन को भी पुरस्कृत किया गया।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने अतिथियो का स्वागत करते हुए कहा कि इतिहास विभाग छत्तीसगढ़ की आंचलिक कलाओ के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और ये प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर मटपरई कला के प्रशिक्षक अभिषेक सपन ने कहा कि मटपरई कला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान करना हमारा लक्ष्य है, महाविद्यालय ने मुझे अवसर दिया इसके लिए मै हृदय से उनका धन्यवाद करता हूँ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने इस अवसर पर इतिहास विभाग को बधाई दी एवं उनके प्रयासों को अत्यंत सार्थक बनाया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री अरूण वोरा ने कहा कि वह इस मटपरई कला के सुन्दर स्वरूप को देखकर आश्चर्य चकित हैं और उन्हे विश्वास है कि यह कला, छत्तीसगढ़ अंचल के गौरव का सम्पूर्ण विश्व में विस्तार करेगी। दुर्ग शहर के महापौर श्री धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शासन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की आंचलिक कलाओं को पुर्नजीवित करना है। इसके लिए यह कार्यशाला निश्चय ही सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन इतिहास परिषद् के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविशंकर मारकण्डे द्वारा किया गया। इस 15 दिवसीय कार्यशाला में इतिहास विभाग तथा महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी सम्मिलित हुए। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन विभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय तथा डॉ. ज्योति धारकार ने किया ।

कॉलेज समाचार

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में
फिट इंडिया फ्रीडम रन के द्वारा फिट रहने दिया संदेश

महाविद्यालय की एनएसएस एवं एनसीसी इकाई ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 की थीम पर दौड़ते हुए लोगों को फिट रहने का संदेश दिया। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0' का संदेश लोगों तक पहुँचाने तथा उन्हें स्वस्थ रहने के संदेश के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. टीम को हरी झंडी दिखाई। उसके बाद 100 मीटर की मैराथन दौड़ लगाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के खेल मैदान में नारे तथा स्लोगन बोलते हुए स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने पढ़ो और खेलो थीम पर बात रखते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए जीवन में पढ़ाई के साथ खेल एवं व्यायाम भी आवश्यक है ।

कार्यक्रम में एन.एस.एस. छात्र इकाई के प्रभारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे माह एन.एस.एस. के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। जिसमें गांव व शहरों में जाकर लोगों को एन.एस.एस. स्वयं सेवक जागरूक करेंगे।

इस फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एल के भारती, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ मीना मान, एन.सी.सी. मेजर डॉ.सपना शर्मा, एन.सी.सी. अधिकारी प्रो प्रशांत दुबे उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

सभी एन.एस.एस. स्वयं सेवकों के साथ डेनिल, प्रशांत, पारस, चैतन्य, अंकित, नंदलाल, प्रतिभा, आंचल, सृष्टि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पोषण माह उत्सव का आयोजन

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई ने प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 30/09/2022 को ग्राम - खपरी में पोषण माह के अंतर्गत महिलाओं के लिए शाकाहारी पोष्टिक व्यंजन स्पर्धा और बच्चों के लिए बाजार मेला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे महिलाओं ने कटवा, पुलाव, पूड़ी, ठेठरी, खुर्मी, पकोड़ा, सलाद, अंकुरित अनाज का सलाद बनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना मान ने बच्चों को कुपोषण से बचाने के उपाय बताए ।

गत एक माह में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने पोषण माह के अंतर्गत जागरूकता रैली, घर घर दस्तक अभियान द्वारा महाविद्यालय में सलाद एवम व्यंजन प्रतियोगिता, आंगनबाड़ी केंद्र में फलदार वृक्ष लगाए, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने छात्राओं में एनीमिया से बचाव के उपाय बताए । कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ स्वयंसेवक ढिलेश्वर साहू, स्वंयसेविका मानसी यदु, प्रतिभा कुमारी, वंदना हरिनखेड़े, वर्षा चतुर्वेदी तथा आस्था अग्रवाल का सहयोग रहा ।

पिपरछेड़ी में एन.एस.एस. इकाई द्वारा अनेक सेवा कार्य

कॉलेज की एनएसएस इकाई ने ग्राम पिपरछेड़ी में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जिसमें प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह के मार्गदर्शन में एनएसएस इकाई द्वारा जिला प्रशासन के निर्देश पर स्वास्थ्य केंद्र दुर्ग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र परीक्षण शिविर, पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशु चिकित्सा शिविर, जिला न्यायालय दुर्ग की ओर से विधिक साक्षरता कार्यक्रम एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से सिकल सेल जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविरार्थी छात्रों ने परियोजना कार्य के अंतर्गत दो चबूतरे का निर्माण किया इसके साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना नरवा, गरवा, घुरवा-बारी के तहत आदर्श गौठान की सफाई एवं तीन ट्राली पैरा दान कार्य में सहयोग किया। इसके साथ ही ग्राम में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। नेचुरोपैथी शिविर में प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लोगों को ठीक करने का तरीका बताया गया। शिविर के दौरान अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्राम का आर्थिक सर्वेक्षण किया गया व गौठान समिति के द्वारा गोबर खाद निर्माण की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। शिविर में महाविद्यालय के विभिन्न विभाग के प्राध्यापक गण समय समय पर उपस्थित होकर शिविरार्थियों तथा ग्रामवासियों का मार्गदर्शन किया। शिविर के दौरान रात्रि में जन चेतना संबंधी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

शिविर का समापन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शालिनी देवेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जनपद सदस्य श्रीमती भुनेश्वरी ठाकुर एवं सरपंच बालकिशन ठाकुर की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर आइक्यूएसी प्रभारी जगजीत कौर, श्री संजय यादव तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ग्रामवासियों ने प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर जनेन्द्र दीवान कुमार को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया तथा शिविर आयोजन के लिये आभार व्यक्त किया ।

कॉलेज समाचार

रेडक्रॉस एवं रेडरिबन क्लब द्वारा विश्व एड्स दिवस का आयोजन

महाविद्यालय के रेडरिबन क्लब एवम् रेडक्रॉस द्वारा विश्व एड्स दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री भोज देशमुख हेल्थ एंड वेलनेस इंचार्ज भेड़सर आंमत्रित किये गए थे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने की।

मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित श्री भोज देशमुख ने सभी वॉलंटियर और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक रहने और एड्स रोगी के साथ किसी भी प्रकार की भेदभाव पूर्ण व्यवहार न करने की सलाह दी। श्री देशमुख जी ने एड्स के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी से डरें नहीं बल्कि इसका सभी डटकर सामना करें तथा सभी जनमानस को एड्स के प्रति जागरूक और सतर्क रहने को कहा। श्री देशमुख ने अपने उद्बोधन में बताया कि एचआईवी एड्स कैसे एक दूसरे में फैसला है और यह हमारे मृत्यु का कारण कैसे बनता है । साथ ही साथ सभी वॉलंटियर को रक्तदान के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के समाप्ति में बाद एड्स के प्रति जागरूकता हेतु रैली निकाली गई जिसमे सभी वॉलंटियर्स सम्मिलित हुए तथा जनमानस में एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूकता संबंधी नारे लगाये गये ।

इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस एवं रेड रिबन के वॉलंटियर प्रीषिता ताम्रकार, निखिल कुमार साहू , आलोक कुमार प्रजापति, ओमप्रकाश, वंदना साहू, मीनाक्षी, आर्ची, खुशी नायक, शाहीन, वंदना साहू, हरप्रीत अरोरा, निकिता देवांगन, प्रगति राजपूत, ममता, डोमेश, पीयूष, चंदन, नंदिता, सहित सभी विद्यार्थियों की इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता रही ।

प्रशासनिक पद हेतु चयन

महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि महाविद्यालय के अंकित वर्मा का चयन छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 2021-22 में खनिज अधिकारी एवं सहायक भौमिकी विद् पद पर हुआ है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ उन्हे बधाई दी। प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. पद्मावती, आई.क्यू.एसी. प्रभारी डॉ. जगजीत कौर सलूजा एवं प्लेसमेंट सेल के सभी सदस्यों ने उन्हे बधाई दी। भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एस. डी. देशमुख ने उन्हे बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता महाविद्यालय के अन्य छात्रों हेतु प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का कार्य करेगा।

भाषा के माध्यम से ही अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों की रक्षा कर सकते हैं - डॉ. आर.एन. सिंह

हिन्दी भाषा का अध्ययन विद्यार्थी केवल परीक्षा पास करने के लिए करते हैं, उसके साहित्य में जो ज्ञान तथा मूल्य निहित है, वे उस पर ध्यान नही देते इसलिए उनमें मूल्य चेतना का अभाव होता है। भाषा संस्कृति की संवाहक होती है हिन्दी भाषा का संवर्धन कर हम अपनी संस्कृति तथा जीवन मूल्यों की रक्षा कर सकते हैं। उक्त विचार महाविद्यालय में हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने व्यक्त किये। उन्होने आगे कहा कि विद्यार्थी हिन्दी के साहित्य अध्ययन करें जिससे उसमें निहित ज्ञान-चेतना से प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

इस कार्यक्रम में छायावाद की कवयित्री महादेवी वर्मा तथा प्रगतिवाद के प्रमुख कवि गजानन माधव मुक्तिबोध का पुण्य स्मरण किया गया। विभाग के प्राध्यापक श्री थानसिंह वर्मा ने मुक्तिबोध के पत्रकारिता साहित्य पर चर्चा करते हुए कहा कि मुक्तिबोध ने विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में देश और दुनिया की सामयिक समास्याओं, घटनाओं तथा राजनीतिक, सांस्कृतिक गतिविधियों पर लेख लिखकर समाज को सचेत किया। डॉ. जयप्रकाश साव ने 'राजभाषा के रूप में हिन्दी की हैसियत' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी दिवस मनाकर हम भाषाओं के बीच द्वंद्व पैदा करते हैं। हिन्दी में आज भी नये ज्ञान विज्ञान का साहित्य न होना बड़े शर्म की बात है। अपनी भाषा को समुन्नत करने के लिए उसे ज्ञान-विज्ञान की अभिव्यक्ति की दृष्टि से सक्षम बनाना होगा।

कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना तथा महादेवी वर्मा एवं गजानन माधव मुक्तिबोध के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

उन्होनें अपने उद्बधोन में वैश्विक धरातल पर राजभाषा हिन्दी की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की तथा मुक्तिबोध जी को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए उनकी एक कविता का पाठ किया। अक्षय कुमार चौरसिया, सोनल ताम्रकार, मिनाक्षी वैष्णव, मो. सारिक अहमद खान, मोनिका साहू तथा नितिश कुमार वर्मा ने कविता पाठ व आलेख पठ्न किया। कार्यक्रम में डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी, डॉ. सरिता मिश्र, कु. प्रियंका यादव, संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र दीवान सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे। कार्यक्रम-संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. ओम कुमारी देवांगन ने किया ।

महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

डॉ. संगीता सिन्हा का व्याख्यान

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 26 -11- 2022 को महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में नगर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. संगीता सिन्हा आमंत्रित थीं।

कार्यक्रम के आरंभ में महिला प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. सोनाली गुप्ता ने डॉ. सिन्हा एवं डॉ साहू का औपचारिक स्वागत किया। इसके पश्चात डॉ. संगीता सिन्हा ने महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा तभी हमारा मन भी स्वस्थ रहेगा। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। कोई भी कार्य करने के लिए शरीर तथा मन का स्वस्थ्य रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्त्री सन्तान को जन्म देती है, प्रकृति ने उन्हें पुरुष से ज्यादा शक्ति प्रदान किया है । कहा जाता है कि स्त्री कमजोर होती है पर यह सही नहीं है, वह पुरुष की अपेक्षा ज्यादा शक्तिवान (स्ट्रांग) होती है। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग वय में हार्मोनल परिवर्तन होते रहते हैं हार्मोनल परिवर्तन से कुछ बीमारियां भी होती हैं। हार्मोन परिवर्तन की पहचान हो जाए तो बीमारियों के उपचार में सुविधा होती है। उन्होंने शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाली बीमारियों की जानकारी तथा उससे बचने के उपाय भी बताए। उन्होंने कहा कि इन बीमारियों से बचने के लिए सतर्कता और स्वच्छता आवश्यक है साथ ही उपयुक्त आहार-विहार, व्यायाम, योगाभ्यास, भरपूर निद्रा तथा आराम आवश्यक है। यदि शरीर में किसी तरह की तकलीफ हो, खासकर मेंसिस पीरिएड (मासिक धर्म) के समय तो उससे डरने के बजाय डॉक्टर से सलाह लें, शारीरिक मानसिक रूप से कोई परिवर्तन के लक्षण दिखाई दे तो निराशा व अवसाद से बचें, बेहतर होगा अकेले न रहें । जो भी तकलीफ हो उसे माता-पिता या मित्र से साझा करें, ज्यादा कष्ट हो तो चिकित्सक की सहायता लें। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है, उसका ध्यान रखें।

व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी अनेक प्रश्न किए जिसका डॉ. सिन्हा ने समाधन किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिखा अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ सोमाली गुप्ता, डॉ शिखा अग्रवाल, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. मंजू कौशल, डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज, डॉ. मर्सी जार्ज एवं डॉ श्रीमती कुसमांजलि देशमुख के अलावा बड़ी संख्या में-छात्राए उपस्थित थीं।

गणित विभाग द्वारा Writing Research Paper in Late पर मूल्य आधारित कार्यशाला का आयोजन

गणित विभाग द्वारा Writing Research Paper in Late पर मूल्य आधारित पाठ्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन पद्धति से किया गया। इसमें भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों से एवं विदेश के अल्जीरिया एवं सउद्दी अरब के 616 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसमें अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने हेतु आवश्यक Latex Typing Software पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थानों के विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि गणित विभाग का MOU शासकीय माधव महाविद्यालय उज्जैन, सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन, भोपाल, बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर (छत्तीसगढ़) एवं भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्ग के साथ 5 वर्षों के लिए हुआ है। उक्त सभी संस्थानों की सहभागिता इस कार्यक्रम में रही ।

इस कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. आर. एन. सिंह प्राचार्य, समन्वयक डॉ. पद्मावती एवं आयोजन सचिव डॉ. राकेश तिवारी थे। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों से feedback लिया गया एवं बहुविकल्पीय परीक्षा पद्धति से परीक्षा में उत्तीर्ण 227 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग के तत्वावधान में दिनांक 10 अक्टूबर 2022 से 14 अक्टूबर 2022 तक सेक्टर स्तर पर अंतर महाविद्यालय फुटबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 16 टीमों ने भाग लिया ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के द्वारा किया गया प्रतियोगिता में सभी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी उपस्थित रहे । इस प्रतियोगिता में सेंट थॉमस कॉलेज रूआबांधा रिसाली विजेता एवं शा. नेमीचंद जैन महाविद्यालय दल्ली राजहरा की टीम उपविजेता रही । दोनों टीमों को महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। आयोजन का मार्गदर्शन क्रीड़ा प्रभारी डॉ. अभिनेष सुराना एवं डॉ. राकेश तिवारी ने किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विभिन्न महविद्यालयों से आए अधिकारियों ने सहयोग किया ।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप ने किया।

प्रेमचंद की कहानी 'सवा सेर गेहूँ' पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के स्नातक के पाठ्यक्रम में संकलित कथाकार प्रेमचंद की कहानी 'सवा सेर गेहूँ' पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया ।

फिल्म प्रदर्शन के पूर्व हिन्दी के प्राध्यापक थानसिंह वर्मा ने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रेमचंद हिन्दी के पहले कथाकार हैं जिन्होने ग्रामीण भारत के मजदूर-किसान के शोषण उत्पीड़न तथा जीवन संघर्ष को अपनी कथा का विषय बनाया। हिन्दी कथा साहित्य में प्रेमचंद ने पहली बार सामाजिक यथार्थ को सामने लाया । प्रेमचंद ने कथा-साहित्य का स्वरूप ही बदल दिया । उनसे पहले कथा साहित्य महज मन बहलाव के लिए होता था उसे उन्होंने जीवन की वास्तविकता से जोड़कर उद्देश्य परक बनाया। उन्होंने कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि - कहानी 'सवा सेर गेहूँ' का मुख्य पात्र शंकर एक भोला-भाला किसान हैं, जो अपने सहज स्वभाव के कारण एक संत के स्वागत सत्कार के लिये पंडित से साहूकार बने सूदखोर से सवा सेर गेहूँ उधार लेकर षड़यंत्र का शिकार होता है तथा अपना सर्वस्व खो कर बंधवा मजदूर बनने पर विवश हो जाता है । प्रेमचंद जी ने इस कहानी में आर्थिक शोषण के साथ धार्मिक शोषण की परतों को भी उद्घाटित किया है। प्रेमचंद ने यह कहानी अपने समय के समाज को देखते हुए 1910 में लिखी थी पर आजादी के इतने वर्षों बाद भी शोषण की यह प्रक्रिया जारी है ।

इस फिल्म को देखने के लिये स्नातक प्रथम सेमेस्टर विद्यार्थियों में बहुत उत्साह देखा गया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों के साथ शोध छात्र एवं हिन्दी विभाग के प्राध्यापक भी उपस्थित थी ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने किया ।

ध्यानचंद जयंती पर खेल दिवस का आयोजन

महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर खेल दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्धकी ने मेजर ध्यानचंद के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके पश्चात रस्साकशी, कुर्सी दौड़, गोली-चम्मच दौड़ आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. अभिनेष सुराना ने इन सभी विजेता एवं उपविजेता छात्र-छात्राओं को मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सीतेश्वरी चंद्राकर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ प्राध्यापक श्री थानसिंह वर्मा, डॉ. शिखा अग्रवाल, डॉ. अंशुमाला चंदनगर, डॉ. राकेश तिवारी का विशेष सहयोग रहा। आभार प्रदर्शन क्रीड़ा अधिकारी श्री लक्ष्मेंन्द्र कुलदीप ने किया।

गणित विभाग में डॉ. दीप्ति ठाकुर का व्याख्यान

महाविद्यालय के गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें रविशंकर विश्वविद्यालय के गणित अध्ययनशाला की सहायक प्राध्यापक डॉ. दीप्ति ठाकुर वक्ता के रूप में उपस्थित थीं। अपने व्याख्यान में डॉ. दीप्ति ठाकुर ने एम.एस-सी. के विद्यार्थियों को NET / SET / JRF की तैयारी से सम्बन्धित विशेष बिन्दुओं से अवगत कराया।

पढ़ाई की शुरूआत कैसे की जाए, किन पुस्तकों और माध्यमों का उपयोग किया जाये, कैसे किया जाय इसकी विस्तार से जानकारी। उदाहरण के तौर पर डॉ. ठाकुर ने Real Analysis का Unniform Convergence का शीर्षक उठाया। उन्होंने बताया की Uniform Convergence के लिये 4 परीक्षण होते हैं तथा इन्हें उपयोग करने की पद्धति भी बतायी ।

अर्थशाशास्त्र विभाग द्वारा ग्राम खपरी एवं पिपरछेड़ी में विस्तार गतिविधि का आयोजन

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्राम खपरी में विस्तार गतिविधि के अंतर्गत आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राजकुमार साहू द्वारा पंचायत के बजट, कराधान, व जनकल्याण से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। छात्रों ने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। सरपंच श्री साहू ने विद्यार्थियों के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान किया।

ग्राम खपरी में छत्तीसगढ़ शासन की योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बारी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा केंचुआ खाद निर्माण की प्रक्रिया से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। इसके पश्चात ग्राम खपरी के निवासियों के जीवन स्तर, आय व सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दूसरा आयोजन ग्राम पिपरछेड़ी में किया । जहाँ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित था। यहाँ उपस्थित छात्र-छात्रों के मोटिवेशन के तहत विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्यार्थी एनएसएस के उद्देश्यों को अपने भावी जीवन में चरितार्थ करें। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन डॉ. के. पद्मावती, अंशुमाला चंदनगर, डॉ. नीता मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के प्रभारी श्री जैनेंद्र दीवान व छात्रा इकाई के प्रभारी प्राध्यापक डॉ. मीना मान का विशेष सहयोग रहा।

Computer Science organized a Guest lecture on "Future Scope

The Department of Computer Science organized a Guest lecture on "Future Scope in Computer Science" on 15-11-2022 for the final year students of BSc (CS), BCA and PGDCA students.The Lecture was presented by Mr. P V Srinivasa Sarma, Director, Career development Center, Sasi Institute of Technology and Engineering, Tadepalligudem.

The program helped out the students to inculcate self employability and area of Computer Science in today's scenario.Glimpses of Program.

सामाजिक सरोकार
ग्राम खपरी में जागरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय के बी.एस-सी भाग-3 बायो केमिस्ट्री के छात्र-छात्राओं द्वारा विस्तार गतिविधि के अंतर्गत ग्राम खपरी जिला, दुर्ग में ग्रामवासियों को सामाजिक बुराइयों के विषय में जागरूक किया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने प्राध्यापक डॉ. मंजू कौशल, डॉ. वी. एस. गीते एवं श्रीमती रोमांचि चंद्राकर के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम किए।

छात्र शाहिद शेख ने ग्राम वासियों को साइबर क्राइम के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन का किस प्रकार इस्तेमाल करें ताकि उनके साथ कोई साइबर ठगी या साइबर क्राइम न हो, उसे किस प्रकार रोका जाए एवं पुलिस की मदद से उस स्थिति से कैसे निपटा जाए। छात्रा तुलसी साहू ने शराब से क्या नुकसान होते हैं और शराब छोड़ने के क्या-क्या उपाय हैं बताया तथा शराब से होने वाले मानसिक त्रास, क्रोध आदि पर कैसे नियंत्रित किया जाए बहुत सरल ढंग से समझाया। छात्रा पायल साहू ने महिलाओं एवं बालिकाओं को मासिक धर्म एवं स्वच्छता के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मासिक धर्म के समय स्वच्छता का ध्यान न रखने से कौन-कौन- सी समस्याएं उत्पन्न होती हैं एवं इन समस्याओं तो किस तरह से हल किया जाए। उन्होंने सेनेटरी नैपकिन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. वी. एस. गीते ने ग्राम वासियों को स्वच्छता का महत्व समझाया। उन्होंने कहा -स्वच्छता के अभाव में तरह-तरह की बीमारियां होती हैं। अशुद्ध जल से पेट में होने वाले रोग डायरिया के विषय में बताया तथा डायरिया होने पर ओआरएस का घोल हर घंटे पीने की सलाह दी। ताकि रोगी के शरीर में लवण इत्यादि की कमी न हो। लवण की कमी होने से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर असर होता है शरीर में इनकी कमी से जान भी जा सकती है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. वी. एस. गीते ने ग्राम के सरपंच एवं ग्राम वासियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का आयोजन

हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के द्वारा भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में किया गया। दिनांक 25 व 26 नवम्बर को आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के कुल 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग ओवरऑल चैंपियन रहा और शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की टीम रनरअप रही।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य ने क्रीड़ा अधिकारी श्री कुलदीप एवं समिति के सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में उपस्थित शहीद कौशल यादव पुरस्कार से सम्मानित श्री दुर्गा जंघेल, गुंडाधुर पुरस्कार से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नीता शिंदे, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक नस्वर टंडन, राष्ट्रीय निर्णायक महेंद्र सिंह टेकाम,पवन यादव, युवराज राउत एवं आसिफ अली का विशेष सहयोग रहा। आरंभ में प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त क्रीड़ा अधिकारी डॉ. जी. एम. दासन एवं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुपमा अस्थाना ने किया ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, जूरी आफ कमिश्नर डॉ ए.के. खान, डॉ. अभिनेष सुराना, वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी नरेशधर दीवान, डॉ. अमरीक सिंह एवं अन्य महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी तथा प्रभारी, अधिकारी, प्राध्यापक उपस्थित थे।

Blood Donation Camp

"Donating Blood is an Act of Solidarity, Humanity and Saving Loves". A blood donation camp was organized by the Youth Red Cross, Red Ribbon Club, NSS wings of Government V.Y.T. PG. Autonomous College Durg in association with District Blood Bank, Durg Hospital,in the Shaheed Veer Narayan Singh Auditorium on 28 th November, 2022.

The Program officers, Red Cross volunteers and the medical staff of doctors and nurses made arrangements for the donors. The Chief Guest on the occasion was Shri Raj Adhitya ji of Navdrishti Foundation, Durg/Bhilai. He was welcomed by Dr.Tarlochan kaur Sandhu the program officer of YRC and RRC .Dr.Anupama Asthana, the incharge principal of the college was welcomed by Dr. Meena Maan, the incharge of NSS unit. In his inaugural speech Shri Adhitya ji talked about the importance of blood donation and motivated the youth to donate blood to save many lives. In the camp a large number of students registered their names and with great enthusiasm donated blood. The process of blood donation which had started at 10:30 continued till 3:00pm.Along with the students Dr Meena Maan, Dr. Nisha oswami,Vipul Deshmukh, Onkar Sahu also donated blood.The collected units of blood were 74.More than 150 volunteers participated in the camp. The donors were given refreshments after donation and were also felicitated with certificates for their commendable services. Dr. R. N. Singh,the Principal of the Institute appreciated the efforts and congratulated the students and the program officers.

The Red Cross volunteers viz., Nikhil Sahu, Prishita Tamrakar, Archie, Radhika, Omprakash, Paras, Minakshi, Khushi, HarpreetVandana, Bhumika, Shrishti, Pragati and all with their full support made the event a huge success. Dr Anshumala Chandangar extended a vote of thanks.

कम्प्यूटर साईंस विभाग
'एथिकल हैकिंग' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

महाविद्यालय के कम्प्यूटर साईंस विभाग द्वारा 'एथिकल हैकिंग' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस श्री दिलीप साहू विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साईंस विभाग मुख्य वक्ता का स्वागत व परिचय दिया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता श्री निखिल सोनी मैनेजर व फैक्लटी ऐक्मे एकेडमी ने 'एथिकल हैकिंग' के बारे में बताया। कैसे हैकिंग के माध्यम से लॉगिन कर डाटा प्राप्त कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के हैकर के बार में भी बताया जिनमें से एथिकल हैकर एक सर्टिफाईड हैकर होते हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में जैसे बैकिंग, रक्षा एवं आईटी इंडस्ट्रीज में अपनी सेवा प्रदान करते हैं। वक्ता ने हैकिंग के दुरुपयोग से होने वाले दुष्परिणाम व दण्ड के प्रावधान को भी विस्तार से बताया ।

कार्यशाला के दूसरे दिन वक्ता श्री सुमंत सिंग सिनियर सॉप्टवेयर इंजीनियर ऐमिकस टेक्नोलॉजी रायपुर ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अवसरों व चुनौतियों की जानकारी प्रदान की व छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए ।

इसी क्रम में वक्ता श्री कार्तिकेय पाण्डेय डायरेक्टर एक्मे एकेडमी, रायपुर ने कम्प्यूटर साइंस के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों एवं इनकी तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री निखिल सोनी ने हैकिंग की प्रायोगिक जानकारी प्रदान की व छात्रों को विभिन्न वेबसाइट व टूल्स के माध्यम से एथिकल हैकिंग का प्रायोगिक उपयोग सिखाया तथा इनसे संबंधित जटिलताओं को भी समझाया। साथ ही इससे एक बेहतर रोजगार के अवसर के बारे में बताया । इस कार्यशाला में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बड़ी संख्या में प्राध्यापक तथा विद्यार्थी जुड़े।

अंत में श्रीमती लतिका ताम्रकार, सचिव आयोजन समिति ने सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभाग के अतिथि व्याख्याता श्री समीर कुमार एवं शिल्पा चन्द्राकर ने सहयोग प्रदान किया । कार्यक्रम का संचालन श्री अबीर एवं कु. अभिन्या ने किया।

कॉलेज समाचार

महाविद्यालय में मानव अधिकार दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मानव अधिकार दिवस का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मानव अधिकार दिवस समाज के दबे-कुचले, शोषित- पीड़ित लोगों को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों से अवगत कराने तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सचेत करने के मनाया जाता है।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार पांडे ने मानवाधिकार दिवस के इतिहास की जानकारी दी । राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ शकील हुसैन ने अपने व्याख्यान में कहा कि संविधान में मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए अनेक उपबंध रखें गये हैं जिससे मानवाधिकारों की रक्षा की जा सके। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने विद्यार्थियों तथा अधिकारी, कर्मचारियों को मानव अधिकारों की रक्षा के लिए शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को मानव अधिकार के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री थानसिंह वर्मा, डॉक्टर जी. एस. ठाकुर, रजिस्ट्रार आशुतोष साहू, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रो जनेंद्र दीवान, श्रीमती रमा साहू सहित बहुत से अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के एनएसएस इकाई के वरिष्ठ स्वयंसेवक पारस, मृदुल, प्रशांत सहित बहुत से विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण योगदान किया।

ग्राम थनौद में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विस्तार गतिविधियाँ

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्राम थनौद में विस्तार गतिविधियों का आयोजन किया गया । विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर व एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया । विभाग द्वारा ग्राम थनौद में सफाई जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, प्राथमिक शाला व ग्रामीण बच्चों हेतु प्रश्नमंच का आयोजन किया गया तथा पुरस्कार भी वितरित किये गये ।

विद्यार्थियों ने ग्राम थनौद के तालाब व आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई का काम भी किया। ग्राम थनौद में महाविद्यालय ने भूतपूर्व छात्र दीपक कुमार उइके जिनका चयन छ.ग. लोक सेवा आयोग 2020 में डिप्टी कलेक्टर पद हेतु हुआ है, के व्याख्यान का आयोजन भी हुआ जिसमें उन्होंने विभाग के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं व इन्टरव्यूह की तैयारी हेतु मार्गदर्शन दिया।

अंत में विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम में वृक्षारोपण किया गया। विस्तार गतिविधियों का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह तथा अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा अग्रवाल के मार्गदर्शन व विभागीय सदस्य डॉ. के. पदमावती के नेतृत्व नें किया गया ।

लक्ष्य तय कर कार्य करें, सफलता जरूर मिलेगी - डॉ. साहू

पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर कार्यशाला

महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के द्वारा छात्रों के लिए पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओमप्रकाश साहू सीनियर रिसर्च साइंटिस्ट मित्सुमिसी जापान उपस्थित थे। उन्होंने सरल शब्दों में बताया कि समय को नियोजित कर हर अवसर को पकड़ते हुए अपने रूचि के अनुसार काम करें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, क्या करना है उसे फोकस करते हुए काम करने से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के द्वारा विद्यार्थियों को कैरियर के विभिन्न सोपानों के साथ काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल को उनके प्रयासों की सराहना की एवं डॉक्टर ओम प्रकाश साहू को उनके उच्चतम कैरियर की बधाई दी।

आइ.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ जगजीत कौर सलूजा ने प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित डॉक्टर ओम प्रकाश साहू का परिचय देते हुए छात्र- छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में जानकारी दी। प्लेसमेंट सेल की प्रभारी डॉ. पद्मावती ने विद्यार्थियों को बताया कि महाविद्यालय का प्लेसमेंट सेल लगातार प्रयास कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का चयन हो सके। भविष्य में कई कंपनियों का प्लेसमेंट महाविद्यालय में होने वाला है, विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलका मिश्रा ने किया एवं डॉ. लतिका ताम्रकार ने आभार व्यक्त किया।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

साईंस कॉलेज दुर्ग की एन.एस.एस. इकाई, क्रीड़ा विभाग ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साईंस कॉलेज में पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस के शहीद जवानों को नमन करते हुए उन्हें याद किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने शहीद जवानों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि हमें देश को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए तथा विघटनकारी शक्तियों को अपने मसूबों पर कामयाब नहीं होने देने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। जिन पुलिस जवानों ने अपनी जान देश के लिए कुर्बान किए हैं उन्हें दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ये सभी शहीद जवान शहीद - नारद निषाद, शहीद - थानसिंह, शहीद - विनोद ध्रुव, शहीद - प्रधान आरक्षक महेन्द्र प्रताप सिंह साईंस कॉलेज दुर्ग के विद्यार्थी रहे हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के बहुत से अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। जिसमें वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार पांडे, डॉ. जी. एस. ठाकुर, डॉ. के. पद्मावती, डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. प्राची सिंह, डॉ. आर. एस. सिंह, डॉ प्रेरणा कटाने, डॉ. श्रीराम कुंजाम, डॉ सतीश कुमार सेन, विजय लक्ष्मी नायडू, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी प्रो. जैनेन्द्र कुमार दीवान, क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्मेंद्र कुलदीप प्रो. मोतीराम साहू, रोहित राजपूत एवं विद्यार्थियों ने भी इस अवसर पर शहीदों को याद किया। एन.एस.एस. स्वयं सेवकों में डेनिल, पारस, सतेक, मृदुल, मोरध्वज ने इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शैक्षणिक भ्रमण में प्राप्त की वन सम्पदा, वन्यप्राणी संरक्षण एवं वन कानून की जानकारी

महाविद्यालय के छात्रों का यह निर्धारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत बार नवापारा वन्य जीव अभ्यारण्य का बहुविभागीय भागीदारी के साथ शैक्षणिक भ्रमण था। भ्रमण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के साथ अनुभवात्मक एवं प्रांसगिक शिक्षा को सुदृढ़ करने एवं कक्षा की चहारदिवारी से बाहर सीखने का अवसर उपलब्ध कराना था और वहाँ जिस तरह से विद्वान वक्ताओं के लेक्चर्स आयोजित हुए उससे छात्रों को वास्तव में नई जानकारी हासिल हुई और विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धक हुआ है।

भ्रमण कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित था। प्रथम सत्र में अनुविभागिय वन अधिकारी बलौदा बाजार श्री आनन्द कुदारिया ने पर्यावरण संरक्षण एवं संर्वधन पर महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ अपने विचार व्यक्ति किये। इसके पश्चात मुख्य न्याजिक मजिस्ट्रेट बलौदाबाजार श्री अजय कुमार खाखा ने पर्यावरण एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु निर्मित विभिन्न कानूनों की जानकारी दी । इसी क्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलौदाबाजार सुश्री मयूरा गुप्ता ने वन एवं वन्य जीवों के प्रति नागरिकों के संवैधानिक कर्तव्य पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर उपस्थित जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार, श्री विजय एक्का द्वारा मानव एवं वन्य जीवन संघर्ष को हल करने एवं सह-असितत्तव को बढ़ावा देने हेत सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए सहयोगी प्रकियाओं की आवश्यता पर बल दिया । इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को संविधान प्रदत्त अधिकार एवं कर्तव्यों के पालन हेतु प्रेरित किया जिससे युवा वर्ग जाने-अनजाने अपराधिक गतिविधियों से बच सकें ।

उक्त सत्र के पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा पर्यावरण एवं जीव संरक्षण के प्रति अपनी कटिबद्धता को दोहराने के लिए अभ्यरण परिसर में वृक्षारोपण किया गया । इसी क्रम में विद्यर्थियों द्वारा वन जैवविविधता, रहवास एवं व्यवहार के महत्व को दर्शाने हेतु निर्मित संग्रहालय का भी अवलोकन किया गया ।

दूसरे सत्र में विद्यार्थियों ने लगभग 245 वर्ग कि.मी. में फैले वन्य जीवन अभ्यारण्य का भ्रमण किया। इस दौरान वन में हिरण, सांभर, भालू, जंगली सुअर, नील गाय, इत्यादि वन्य पशु एवं पक्षियों में ह्यूपस, ऑस्प्रे, ग्रेटर कोकल, ड्रोंगों, रूफस ट्रिपी, स्पोटेड डब, एशियन ग्रीन बी इत्यादि को देखा ।

यह भ्रमण विद्यार्थियों को वन्यप्राणी एवं वन सम्पदा के संरक्षण तथा विकास के साथ इससे संबंधित शिक्षा एवं अनुसंधान कार्य में मद्दगार साबित होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण दल में 40 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ उनके मार्गदर्शन हेतु प्राणिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. दिव्या मिंज, डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ. मौसमी डे, डॉ. संजू सिन्हा एवं ज्योति देवांगन शामिल थे ।

महाविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला उद्घाटित

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग डीएसटी नई दिल्ली के वैज्ञानिक और तकनीकी अवसंरचना का उपयोग करते हुए सह क्रियात्मक प्रशिक्षण कार्य के तहत शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन 13 दिसंबर 2022 को संपन्न हुआ। 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यशाला का आयोजन वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉक्टर अभिषेक पल्लव, पुलिस अधीक्षक, दुर्ग जिला ने विज्ञान के क्षेत्र में उपकरणों के आधारभूत सिद्धांत, सही अनुप्रयोग एवं दिशात्मक अध्ययन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नौकरी की कोई कमी नहीं है, उसके लिए मात्र डिग्री काफी नहीं है अपितु कौशल विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता है। इसे हासिल करने के लिए सतत् प्रयत्नशील रहें।

क्षेत्रीय अपर संचालक डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने आधुनिक उपकरणों के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया एवं छत्तीसगढ़ उच्च-शिक्षा विभाग की ओर से छत्तीसगढ़ के इस महाविद्यालय को इस योजना के तहत चयनित करने के लिए डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का आभार व्यक्त किया।

प्रो. एच. एस. तिवारी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने अवगत कराया कि डीएसटी स्तृति योजना के तहत इस महाविद्यालय का चयन अध्यापन एवं शोध क्षेत्रों की उपलब्धियों के आधार पर किया गया है । डॉ. परवेज अल्वी, संयोजक डीएसटी स्तति योजना वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान ने अपने उद्बोधन में डीएसटी स्तृति योजना के उद्गम, महत्त्व एवं उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम सचिव डॉ अजय सिंह ने सात दिवसीय कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में विभिन्न राज्य के 40 प्रतिभागियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। तकनीकी सत्र में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के प्रो. एस. सी. तिवारी, प्रो. जयसिंह एवं प्रो. एस. बनर्जी ने एक्सआरडी सेम की कार्यप्रणाली एवं सूक्ष्म तरंग द्वारा संश्लेषण को विस्तारपूर्वक समझाया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ अनुपमा अस्थाना ने इस कार्यशाला के उपयोगिता की जानकारी दी एवं सभी उपस्थित अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता बी मैथ्यू एवं डॉ सुनीता सांवरिया ने किया।

ईमानदारी एवं निष्ठा ही शोध को ऊंचाइयों पर पहुँचाती है: डॉ. पाण्डेय

शोध में ईमानदारी एवं निष्ठा ही उसे ऊँचाइयों पर पहुँचाती है, इसलिए शोधार्थियों को अपने शोध कार्य के प्रति पूरी ईमानदारी बरतनी चाहिए। उक्त विचार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में दिनांक 13 से 19 दिसंबर 2022 तक आयोजित सात दिवसीय विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ शिव कुमार पांडे ने व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि विज्ञान के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक चेतना से लैस होना चाहिए वे अपने जीवन में भी विज्ञान को आत्मसात करें। उन्होंने नेहरू जी का उल्लेख करते हुए कहा कि वे विज्ञान शिक्षण के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण की बात किया करते थे। वे कहा करते थे कि हमारे वैज्ञानिक जो भी शोध कार्य कर रहे हैं उसका समाज को क्या लाभ मिलेगा यह जरुर बताना चाहिए।

कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए इंस्ट्रूमेंट के उचित उपयोग करके शोध कार्य को बढ़ाने में सहायक होंगे तथा शोध का स्तर निश्चित रूप से बढ़ेगा। उन्होंने सभी पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए इस कार्यक्रम को लाभदायक बताया तथा इस कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े सभी प्राध्यापकों को बधाई दी। सात दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में तीसरे दिन दिनांक 15. 12. 2022 को प्रथम सत्र में 'रिटवेल्ड रिफाइंडमेंट आफ पाउडर एक्स आरडी डेटा' पर सीएसआईआर-आईएमएमटी भुवनेश्वर के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ एम. साहिद ने व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अजय सिंह ने एटॉमिक एब्जॉर्बशन स्पेक्ट्रोस्कॉपी पर तथा डॉ सुनीता मैथ्यू ने फ्लेम फोटोमेट्री पर अपना व्याख्यान दिया। इसी दिन एक्सआरडी तथा एटॉमिक एब्जार्बशन स्पेक्ट्रोस्कॉपी की कार्यप्रणाली को

लैब में समझाया गया।

दिनांक16.12.2022 को सुनीता बी मैथ्यू ने थर्मोग्रेविमेट्रिक एनालिसिस तथा डिफेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमेट्री के सिद्धांत तथा एप्लीकेशन पर विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय सत्र में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के डॉ. आर. के पांडे ने एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कॉपी पर व गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के ही डॉ. सुधीर पांडे ने एचपीएलसी के सिद्धांत एवं एप्लीकेशन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अगले सत्र में एक्सआरडी तथा इंस्ट्रुमेंटल एवं एचपीएलसी पर प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में प्रशिक्षण दिया गया।

दिनांक 17- 12-22 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के संतोष ठाकुर ने गैस क्रोमेटोग्राफी व बिलासपुर के ही जी. के. पात्रा ने साइक्लिक वोल्टामेट्री के सिद्धांत एवं एप्लीकेशन्स पर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में गैस कोमेट्रोग्राफी पर डॉ. सुनीता बी. मैथ्यू ने तथा आरटीपीसीआर पर डॉक्टर अनिल कुमार ने प्रयोगशाला में प्रशिक्षण दिया।

दिनांक 18-12- 2022 को शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायगढ़ के डॉ. धनेश सिंह ने इलेक्ट्रॉन स्पिन रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी पर तथा घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के डॉ आर. पी. पटेल ने फोटोल्यूमिनिसेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी की जानकारी दी। इसी दिन द्वितीय सत्र में फोटोलुमिनीसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी एवं इलेक्ट्रो ल्यूमिनिसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी की कार्यप्रणाली पर बिलासपुर के डॉ.आर.पी. पटेल तथा बी.आई.टी. दुर्ग के आर सी रॉबिंसन ने प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला के अंतिम दिन दिनांक 19-12- 2022 को प्रथम सत्र में डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के डॉ. प्रशांत शुक्ला ने रमन स्पेक्ट्रोस्कॉपी तथा दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा ने न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस पर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के प्रा. डॉ अनुपमा अस्थाना ने इलेक्ट्रोफॉरेसिस की कार्यप्रणाली एवं सिद्धांत पर प्रयोगशाला में प्रशिक्षण दिया। सात दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन समन्वयक डॉ. अनुपमा अस्थाना, आयोजन सचिव डॉ अजय सिंह एवं विभाग के अन्य सदस्यों ने किया। समापन सत्र का संचालन डॉ. मैथ्यू ने व धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुनीता सांवरिया ने किया।

प्राचार्य, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन- 0788 2211688 ई मेल:pprinci2010@gmail.com वेबसाइट www.govtsciencecollegedurg.ac.in